

पढाई और रोज़गार करने वाले दवियांगों को मलिंगी बैटरी से चलने वाली ट्राईसाइकलि चर्चा में क्यों?

21 जून, 2022 को मुख्यमंत्नी नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में पढाई और रोज़गार करने वाले दवियांगों को बैटरी से चलने वाली ट्राईसाइकलि देने का फैसला लिया गया है ।

प्रमुख बढि

- कैबिनेट ने सीएम दवियांगजन सशक्तीकरण छात्र योजना के तहत संचालित संबल योजना के अंतर्गत यह मंजूरी दी है ।
- बहिर सरकार मौजूदा वतित वर्ष में राज्य भर में दवियांगों को 10 हज़ार बैटरीचालित ट्राईसाइकलि का वतिरण करेगी । ये ट्राईसाइकलि 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर दवियांगों को बाँटी जाएंगी ।
- दवियांगों को बैटरी ट्राईसाइकलि के लिये पहले ऑनलाइन आवेदन करना होगा । इसके बाद डीएम की अध्यक्षता में गठित कमिटी योग्य लाभार्थियों का चयन करेगी । इस योजना के लिये 42 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है ।
- अपर मुख्य सचवि डॉ. एस. सदिधार्थ ने कहा कि गिरेजुएशन और इसके ऊपर की पढाई कर रहे दवियांग वदियार्थियों को इस योजना का लाभ मलिंगा । वदियार्थी अपने घर या हॉस्टल से लंबी दूरी तय करके बैटरीचालित ट्राईसाइकलि के ज़रिये आसानी से कॉलेज-यूनविर्सिटी जा सकेंगे ।
- इसके साथ ही बहिर में ही रहकर रोज़गार से जुड़े दवियांगों को भी इस योजना में शामिल किया गया है, ताकि वे बैटरी ट्राईसाइकलि का इस्तेमाल करके अपने परिवार का पेट पाल सकें ।
- इस योजना के तहत लाभार्थी का बहिर का नविासी होना ज़रूरी है । शर्त यह है कि वह राज्य में ही रहकर पढाई या रोज़गार कर रहा हो । लाभार्थी के परिवार की सालाना आय 2 लाख रुपए से ज़्यादा नहीं होनी चाहिये । 17 साल या उससे ऊपर के 60 फीसदी दवियांगों को इसका लाभ मलिंगा ।